श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल

चरणपादुका, कटरा (जम्मू व कश्मीर)

(सम्बद्ध : सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी)

विद्ययाऽमृतमश्नुते

वार्षिक–प्रगति विवरण

(जुलाई 2019 - जून 2020)

(श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल प्रखण्ड प्रथम एवं द्वितीय का चित्र)

वार्षिक—प्रगति विवरण

(जुलाई 2019 - जून 2020)

सम्पादक

डॉ० सुनील शर्मा (KAS)

उपमुख्यकार्यकारी अधिकारी (SMVDSB)

प्रशासक, श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल

प्रकाशक

श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल

चरणपादुका, कटरा

(जम्मू व कश्मीर)

सम्पर्क : www.smvdgurukul.in

Email : smvdgurukul@maavaishnodevi.net

त्वं वैष्णवी शक्तिरनन्तवीर्या विश्वस्य बीजं परमासि माया।
सम्मोहितं देवि समस्तमेतत् त्वं वै प्रसन्ना भुवि मुक्तिहेतुः।।

श्री माता वैष्णो देवी की असीम अनुकम्पा से आज श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल अपने दसवें वर्षगांठ को वार्षिकोत्सव के रूप में आयोजित कर रहा है। इस गुरुकुल की स्थापना का उद्देश्य है कि वैदिक परम्परा में निहित असीमित ज्ञानसम्पदा को, इस गुरुकुल से अधीत छात्रों द्वारा, समाज के प्रत्येक वर्ग तथा जन जन तक पहुँचाया जाए।

वस्तुतः शास्त्रों में कहा गया है — **'संस्कृतं नाम दैवी वाक् अन्वाख्याता महर्षिभिः'** अर्थात् ऋषि मुनियों के काल से उपयोग में लाई जा रही यह संस्कृत भाषा देव भाषा है और यह इसकी वैज्ञानिकता का सबसे प्रमुख साक्ष्य है कि इस भाषा की सहस्रों वर्ष पूर्व जो संरचना रही वह आज भी यथावत् है। इसी संस्कृत भाषा में विश्व का सबसे प्राचीन ग्रन्थ 'ऋग्वेद' आज भी अपने लाखों वर्ष पूर्व के अर्थों को यथावत् बनाए हुए है, जो कि संस्कृत भाषा के अत्यन्त वैज्ञानिक होने का प्रमाण है।

गुरुकुल में अध्ययनरत समस्त छात्रों को, इस भाषा में समुपलब्ध समस्त ज्ञानराशि से परिपूर्ण करने के साथ, इन छात्रों में विनम्रता, परोपकारिता, राष्ट्रभक्ति आदि अनेक नैतिक गुणों का आधान भी हमारा प्रमुख उद्देश्य है। क्योंकि ज्ञान के तत्वार्थ का बोध, विनम्रतादि गुणों के बिना सम्भव नहीं है। वस्तुतः विनम्रता ज्ञानप्राप्ति का साधन तो है ही, विद्या प्राप्ति का साध्य भी है, जैसा कि शास्त्रों में कहा भी गया है —

विद्या ददाति विनयं विनयाद्याति पात्रताम्।
पात्रत्वाद् धनमाप्नोति धनाद् धर्मं ततः सुखम्।।

वर्तमान समय में भी आधुनिक शिक्षा के साथ प्राचीन वैदिक भारतीय विद्या के ज्ञानार्थ गुरुकुल की अत्यन्त आवश्यकता है। गुरुकुल के निर्माण का यह संकल्प भगवती मां वैष्णवी की कृपा से श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड के अन्तः करण में उदय हुआ। जिसके फलस्वरूप दिनांक 01 जुलाई 2010 को श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड के द्वारा श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल का प्रारम्भ किया गया।

वेदमन्त्रों से गुञ्जायमान यहाँ का प्राकृतिक एवं सुरम्य वातावरण सरस्वती पीठ कश्मीर क्षेत्र का वही गौरव स्मरण कराता है जो इसे प्राचीन भारतीय इतिहास में प्राप्त था। न केवल वेद, अपितु यहाँ व्याकरण, ज्योतिष, साहित्य, दर्शनादि शास्त्रीय ज्ञान की अविरल गंगा नित्य प्रवाहित होती हुई, विश्व को एक ऐसी पीढ़ी प्रदान कर रही है जो भारतीय वैदिक संस्कृति को प्रतिष्ठापित कर भारत को पुनः विश्वगुरु होने का गौरव दिलाएगी। आधुनिक समय में हमारे प्राचीन शास्त्रों की उपयोगिता को पूरा विश्व जाने और समझे इसके लिए वैदिक शास्त्रों के साथ—साथ आधुनिक विषयों का ज्ञान भी सर्वथा अपेक्षित है। अतः यहाँ के छात्रों को विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान, अंग्रेजी, संगीत, योग, विभिन्न प्रकार के खेल, संगणक (कम्प्यूटर) इत्यादि विविध विषयों की भी शिक्षा दी जा रही है। यह गुरुकुल प्राची और प्रतीची का सुन्दर मेल है। गुरुकुल के छात्रों के जागरण से लेकर शयन तक की दिनचर्या सुव्यवस्थित, अनुशासनात्मक और आदर्शपूर्ण है, जिससे छात्रों का न केवल बौद्धिक विकास, अपितु उनके जीवन में सदाचार, अनुशासन, श्रेष्ठता, सच्चरित्रता, आध्यात्मिकता का भी समावेश हो।

भगवती वाग्देवी माँ सरस्वती की साधना, उपासना और छात्रों के अथक परिश्रम का ही यह फल है कि यहाँ के छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर अनेक उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं। सन् 2013 से लेकर अब तक हर वर्ष यहाँ के छात्रों ने सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी से स्वर्ण पदक प्राप्त किए हैं। राष्ट्रीय स्तर की अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धाओं में भी यहाँ के छात्रों ने हर वर्ष प्रथम पुरस्कार प्राप्त किए हैं। माँ वैष्णवी से हम प्रार्थना करते हैं कि यह गुरुकुल हमारी वैदिक संस्कृति को पुनः प्रतिष्ठापित कर भारत को फिर से विश्वगुरु बनाने में सहायक हो।

।। जय माता दी ।।

सम्पादक

श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल

1. परिचय :

1.1. श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल, विश्वप्रसिद्ध श्री माता वैष्णो देवी यात्रा के आधार शिविर कटरा (जम्मू व कश्मीर) से लगभग दो किलोमीटर की दूरी पर चरणपादुका मंदिर के समीप स्थित है। **श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड, कटरा, जम्मू व कश्मीर** द्वारा स्थापित इस गुरुकुल का संचालन स्थापन बोर्ड द्वारा ही किया जाता है। यह गुरुकुल लगभग **30 कनाल** भूमि पर निर्मित है, जिसमें आधुनिक सुविधाओं से युक्त कक्षाएँ, पुस्तकालय, आधुनिक भाषा प्रयोगशाला, आचार्य निवास, छात्रावास, विविध क्रीडांगण एवं भोजनालय की व्यवस्था है।

1.2. गुरुकुल स्थापना के उद्देश्य :

- भावी पीढ़ी को भारतीय पारम्परिक शास्त्रों एवं आधुनिक विषयों के ज्ञान के साथ सार्थक समन्वय स्थापित कर सुशिक्षित करना ।
- अध्येता छात्रों का चारित्रिक एवं मानवीय मूल्यों के साथ सर्वांगीण विकास करना ।
- भावी पीढ़ी को **'वसुधैव कुटुम्बकम्'** की आदर्श भावना से समन्वित करना ।
- वेदाध्ययन के माध्यम से श्रुति—परम्परा को अक्षुण्ण बनाये रखना ।
- नई पीढ़ी में भारतीय आचार, विचार एवं देशभक्ति से समन्वित समग्र व्यक्तित्व का विकास करना।

1.3. सम्बद्धता :

इस गुरुकुल को **सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी** से कक्षा प्रथमा तृतीय वर्ष (अष्टम) से आचार्य (स्नातकोत्तर) पर्यन्त स्थायी सम्बद्धता प्राप्त है।

1.4. अध्ययनार्थ उपलब्ध विषय :

गुरुकुल में कक्षा **प्रथमा प्रथम वर्ष (षष्ठ)** से **प्रथमा तृतीय वर्ष (अष्टम)** पर्यन्त पारम्परिक विषयों— वेद, साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष, एवं दर्शन के साथ ही आधुनिक विषय— विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान, अंग्रेजी एवं संगणक (कंप्यूटर) की शिक्षा दी जाती है। पूर्वमध्यमा प्रथम (नवम) से ऐच्छिक विषयधारा के रूप में वेद एवं ज्योतिष के साथ व्याकरण, साहित्य एवं दर्शन का अनिवार्य पारम्परिक विषय के रूप में अध्यापन होता है। पूर्वमध्यमा प्रथम (नवम) से आधुनिक विषयों में केवल गणित एवं अंग्रेजी की शिक्षा दी जाती है। इसके अतिरिक्त समस्त छात्रों के बहुमुखी प्रतिभा के विकास हेतु योग एवं संगीत का समुचित प्रशिक्षण दिया जाता है। भाषागत (संस्कृत, हिन्दी एवं अंग्रेजी) दक्षता को विकसित करने के उद्देश्य से भाषाप्रयोग का भी प्रशिक्षण दिया जाता है।

1.5. गुरुकुल में विद्यमान व्यवस्थाएँ :

गुरुकुल में अध्ययनरत छात्रों हेतु श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड, कटरा द्वारा निम्नलिखित व्यवस्थाएँ पूर्णत: नि:शुल्क उपलब्ध हैं —

1.5.1 छात्रों हेतु :

- आवास, भोजन, वस्त्र एवं पुस्तकादि की नि:शुल्क व्यवस्था ।
- छात्रों की आरोग्यता हेतु चिकित्सा सुविधा की व्यवस्था।

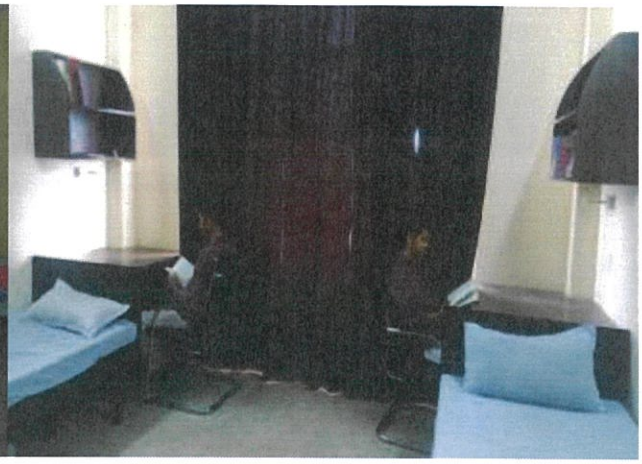

(प्रखण्ड–प्रथम एवं द्वितीय के छात्रावासों में अध्ययनरत छात्रगण)

1.5.2 अध्ययन–अध्यापन व्यवस्था :

गुरुकुल परिसर में अध्ययन हेतु कुल–**21** कक्ष निर्मित हैं, जिनमें अध्ययन कक्षों के अतिरिक्त निम्नलिखित कक्ष हैं–

(क) प्रार्थना कक्ष :

प्रतिदिन की प्रार्थना, योगाभ्यास तथा अन्य सामूहिक कार्यों के सम्पादनार्थ गुरुकुल में एक सभागार प्रार्थना कक्ष के रूप में विद्यमान है।

(प्रार्थना कक्ष में सामूहिक प्रार्थना करते हुए छात्रगंण)

(ख) पुस्तकालय :

छात्रों में स्वाध्याय की प्रवृत्ति एवं सामूहिक अध्ययन की भावना विकसित करने के उद्देश्य से तथा ज्ञान–विज्ञान के विविध साहित्य से छात्रों को लाभान्वित करने हेतु गुरुकुल परिसर में लगभग **2100** प्राचीन–अर्वाचीन ग्रन्थ एवं पत्र पत्रिकाओं से सुसज्जित एक भव्य पुस्तकालय की व्यवस्था है। वर्तमान में **179** छात्र इस पुस्तकालय का लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

(पुस्तकालय में अध्ययन करते हुए छात्रगंण)

(ग) संगणक कक्ष :

छात्रों को पारम्परिक ज्ञान–विज्ञान के साथ आधुनिक प्रकल्पों में भी दक्ष करने के उद्देश्य से गुरुकुल में कुल **24** अत्याधुनिक संगणक यन्त्रों से सुसज्जित एक संगणक कक्ष की व्यवस्था की गई है, जिसके माध्यम से सभी छात्रों को संगणक के सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक पक्षों से अवगत कराया जाता है।

(घ) भाषा प्रयोगशाला :

छात्रों की भाषागत समस्याओं के निराकरणार्थ भारत शासन के द्वारा प्रायोजित त्रिभाषा–सूत्र का अनुसरण करते हुए एक अत्याधुनिक भाषा प्रयोगशाला की स्थापना की गई है, जिसमें एक साथ **27** छात्र भाषा अध्ययन से लाभान्वित होते हैं।

(ङ) संगीत–शिक्षण कक्ष :

छात्रों में गायन एवं वादन कला को विकसित करने हेतु विविध वाद्ययन्त्रों का प्रायोगिक ज्ञान तथा गायन सम्बन्धी स्वर एवं ताल का विशिष्ट प्रशिक्षण निरन्तर दिया जातासहै। छात्र संस्कृत स्तोत्रों, संस्कृत गीतों एवं संस्कृत छन्दों के गायन का नित्य अभ्यास करते हैं।

1.5.3 स्वास्थ्य–चिकित्सा व्यवस्था :

छात्रों की आरोग्यता हेतु छात्रावास में समुचित चिकित्सकीय परीक्षण की सुविधा है तथा आकस्मिक प्राथमिक उपचार हेतु औषधि इत्यादि की भी समुचित व्यवस्था विद्यमान है। यथासमय छात्रों के विशेष चिकित्सकीय परीक्षण हेतु गुरुकुल में सम्बन्धित विशेषज्ञ चिकित्सकों को आमन्त्रित किया जाता है। छात्रों के लिए स्थापन बोर्ड द्वारा नवस्थापित अत्याधुनिक श्री माता वैष्णो देवी नारायण सुपरस्पेशिलिटी चिकित्सालय, ककड़याल में विविध प्रकार की उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधाएँ नि:शुल्क उपलब्ध हैं।

1.5.4 क्रीडा सम्बन्धी व्यवस्थाएँ:

गुरुकुल में अध्ययनरत छात्रों के बौद्धिक विकास के साथ–साथ शरीरिक विकास हेतु क्रीडा, व्यायाम एवं योगाभ्यास की समुचित व्यवस्था है, जिसके अन्तर्गत छात्रों की सुविधा हेतु गुरुकुल परिसर में बास्केटबाल, वालीबॉल, बैटमिन्टन, एवं क्रिकेट के लिए सुसज्जित क्रीडा क्षेत्र के साथ ही आभ्यन्तर क्रीडाओं (शतरंज, कैरम बोर्ड तथा टेबल टेनिस) की भी व्यवस्था है। सम्प्रति व्यायाम हेतु विशेष व्यायाम यन्त्रों की भी व्यवस्था है।

1.5.5 प्राकृतिक वातावरण :

गुरुकुल में अध्ययनरत छात्रों की प्राकृतिक चेतनाओं के विकास को ध्यान में रखते हुए गुरुकुल परिसर में एक सुन्दर प्राकृतिक उद्यान की संरचना की गई है। इस उद्यान में अनेक प्रकार के पुष्प, लताएँ, फल (सेब, अनार एवं जामुन इत्यादि) के वृक्ष तथा अनेक वनौषधियों के वृक्ष विद्यमान हैं।

1.6. गुरुकुल में विद्यमान व्यवस्थाएँ : (आचार्यों हेतु)

गुरुकुल में अध्यापनरत आचार्यों हेतु परिसर में ही सुन्दर आवास की समुचित व्यवस्था उपलब्ध है।

(आचार्यों हेतु निर्मित आवास का छायाचित्र)

1.7. सौर ऊर्जा :

1.7.1. गुरुकुल में विद्युत् के अभाव में छात्रों तथा आचार्यों का अध्ययन अध्यापन कार्य बाधित न हो इस उद्देश्य से गुरुकुल परिसर में सौर ऊर्जा प्रणाली (Solar Power System) स्थापित की गई है। इस प्रकार गुरुकुल में निर्बाध विद्युत्—व्यवस्था उपलब्ध है।

1.7.2. विद्युत् के अभाव में छात्रों तथा आचार्यों की स्नानादि दैनिक क्रियाएँ निर्बाधतया सम्पन्न हों, इस उद्देश्य से गुरुकुल परिसर में सौर ऊर्जा चालित जल—उष्णक प्रणाली (Solar Water Heater System) स्थापित की गई है।

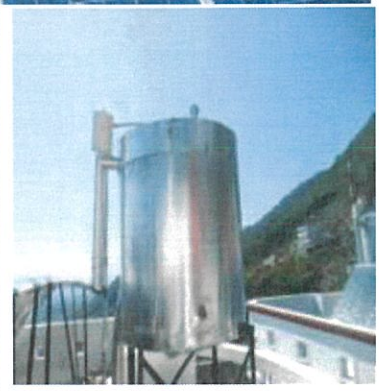

1.8. शुद्ध पेय जल की व्यवस्था :

गुरुकुल में अध्ययनरत छात्रों के स्वास्थ्य सम्बन्धी सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए छात्रावास परिसर में अत्याधुनिक जल शोधक यन्त्रों (Water Purifier) को स्थापित किया गया है। इन जलशोधक यन्त्रों से छात्रों सहित गुरुकुल के आचार्य एवं अन्य कर्मचारी भी लाभान्वित हो रहे हैं।

1.9. प्रवेश प्रक्रिया :

गुरुकुल में प्रथमा—प्रथमवर्ष (कक्षा छठी) में ही प्रवेश लिया जाता है। वही छात्र अग्रिम कक्षाओं में प्रविष्ट होते हैं। छात्रों का प्रवेश वरीयतानुसार एक पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से होता है, जिसमें लिखित एवं मौखिक परीक्षा सम्मिलित है।

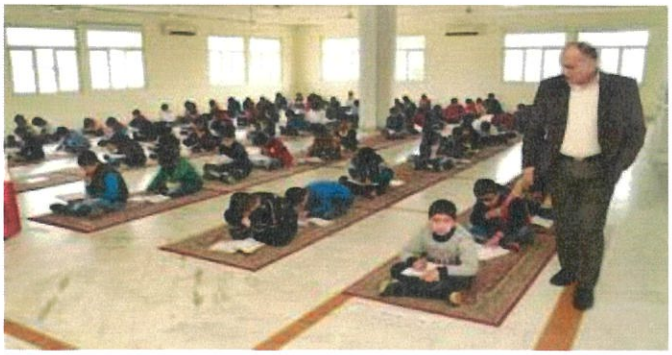

1.10. दैनिक दिनचर्या :

गुरुकुल में अध्ययनरत प्रत्येक छात्र को गुरुकुल के शासी—परिषद् द्वारा निर्धारित निम्नलिखित सुव्यवस्थित दिनचर्या प्रणाली का निर्वहन करना अनिवार्य होता है—

ग्री"मकालीन(01 अप्रैल से 30 सितम्बर पर्यन्त)

(प्रखण्ड - प्रथम)

क्र.सं.	समय	कार्य
1.	प्रातः 5:00 बजे	जागरण
2.	प्रातः 5:00 बजे से 5:10 बजे तक	जागरणमन्त्र
3.	प्रातः 5:10 बजे से 6:00 बजे तक	स्नानादि नित्यक्रिया
4.	प्रातः 6:00 बजे से 6:45 बजे तक	सन्ध्या एवं आरती
5.	प्रातः 6:45 बजे से 7:10 बजे तक	योगाभ्यास (सोम,बुध एवं अवकाश दिन) अन्य दिन स्वाध्याय/गृहकार्य
6.	प्रातः 7:10 बजे से 7:45 बजे तक	अल्पाहार
7.	प्रातः 7:45 बजे से 8:45 बजे तक	स्वाध्याय/गृहकार्य
8.	प्रातः 8:45 बजे से 9:00 बजे तक	गुरुकुल हेतु परिधान धारण
9.	प्रातः 9:00 बजे से 9:10 बजे तक	प्रार्थना
10.	प्रातः 9:10 बजे से अपराह्ण 12:00 बजे तक	कक्षा - अध्ययन
11.	अपराह्ण 12:00 बजे से 01:10 बजे तक	भोजनावकाश
12.	अपराह्ण 1:10 बजे से सायं 4:00 बजे तक	कक्षा - अध्ययन
13.	सायं 4:00 बजे से सायं 4:20 बजे तक	चाय, जलपान
14.	सायं 4:20 बजे से सायं 5:45 बजे तक	खेल
15.	सायं 5:45 बजे से सायं 6:00 बजे तक	संध्या हेतु वस्त्र परिवर्तन
16.	सायं 6:00 बजे से सायं 7:00 बजे तक	सन्ध्या एवम् आरती
17.	सायं 7:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक	मनोरंजन एवं फोनवार्ता
18.	रात्रि 8:00 बजे से रात्रि 8:30 बजे तक	भोजन
19.	रात्रि 8:30 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक	स्वाध्याय/गृहकार्य
20.	रात्रि 10:00 बजे	शयन

शीतकालीन(01 अक्तूबर से 31 मार्च पर्यन्त)

(प्रखण्ड – प्रथम)

क्र.सं.	समय	कार्य
1.	प्रातः 6:00 बजे	जागरण
2.	प्रातः 6:00 बजे से 6:10 बजे तक	जागरणमन्त्र
3.	प्रातः 6:10 बजे से 7:00 बजे तक	स्नानादि नित्यक्रिया
4.	प्रातः 7:00 बजे से 7:30 बजे तक	सन्ध्या एवं आरती
5.	प्रातः 7:30 बजे से 7:50 बजे तक	योगाभ्यास (सोम,बुध एवं अवकाश दिन) अन्य दिन स्वाध्याय/गृहकार्य
6.	प्रातः 7:50 बजे से 8:15 बजे तक	अल्पाहार
7.	प्रातः 8:15 बजे से 8:45 बजे तक	स्वाध्याय/गृहकार्य
8.	प्रातः 8:45 बजे से 9:00 बजे तक	गुरुकुल हेतु परिधान धारण
9.	प्रातः 9:00 बजे से 9:10 बजे तक	प्रार्थना
10.	प्रातः 9:10 बजे से अपराह्ण 12:00 बजे तक	कक्षा - अध्ययन
11.	अपराह्ण 12:00 बजे से 01:10 बजे तक	भोजनावकाश
12.	अपराह्ण 1:10 बजे से सायं 4:00 बजे तक	कक्षा - अध्ययन
13.	सायं 4:00 बजे से सायं 4:20 बजे तक	चाय, जलपान
14.	सायं 4:20 बजे से सायं 5:45 बजे तक	खेल
15.	सायं 5:45 बजे से सायं 6:00 बजे तक	संध्या हेतु वस्त्र परिवर्तन
16.	सायं 6:00 बजे से सायं 7:00 बजे तक	सन्ध्या एवम् आरती
17.	सायं 7:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक	मनोरंजन एवं फोनवार्ता
18.	रात्रि 8:00 बजे से रात्रि 8:30 बजे तक	भोजन
19.	रात्रि 8:30 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक	स्वाध्याय/गृहकार्य
20.	रात्रि 10:00 बजे	शयन

(प्रखण्ड- द्वितीय)

क्र.सं.	समय	कार्य
1.	प्रातः 5:00 बजे	जागरण
2.	प्रातः 5:00 बजे से 5:10 बजे तक	जागरणमन्त्र
3.	प्रातः 5:10 बजे से 6:00 बजे तक	स्नानादि नित्यक्रिया
4.	प्रातः 6:00 बजे से 6:30 बजे तक	सन्ध्या एवं आरती
5.	प्रातः 6:30 बजे से 7:00 बजे तक	योगाभ्यास (सोमवार,बुधवार एवं अवकाश के दिन)
6.	प्रातः 7:00 बजे से 7:30 बजे तक	स्वाध्याय/गृहकार्य
7.	प्रातः 7:30 बजे से 8:00 बजे तक	अल्पाहार
8.	प्रातः 8:00 बजे से 8:40 बजे तक	स्वाध्याय/गृहकार्य
9.	प्रातः 8:40 बजे से 8:50 बजे तक	गुरुकुल हेतु परिधान धारण
10.	प्रातः 9:00 बजे से 9:10 बजे तक	प्रार्थना
11.	प्रातः 9:10 बजे से अपराह्ण 12:00 बजे तक	कक्षा - अध्ययन
12.	अपराह्ण 12:00 बजे से 01:10 बजे तक	भोजनावकाश
13.	अपराह्ण 1:10 बजे से सायं 4:00 बजे तक	कक्षा - अध्ययन

14.	सायं 4:10 बजे से सायं 4:45 बजे तक	चाय, जलपान
15.	सायं 4:45 बजे से सायं 5:45 बजे तक	खेल
16.	सायं 5:45 बजे से सायं 6:15 बजे तक	स्वाध्याय
17.	सायं 6:15 बजे से सायं 6:30 बजे तक	संध्या हेतु वस्त्र परिवर्तन
18.	सायं 6:30 बजे से सायं 7:00 बजे तक	सन्ध्या एवम् आरती
19.	सायं 7:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक	मनोरंजन एवं फोनवार्ता
20.	रात्रि 8:00 बजे से रात्रि 8:30 बजे तक	भोजन
21.	रात्रि 8:30 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक	स्वाध्याय/गृहकार्य
22.	रात्रि 10:00 बजे	शयन
23.	अवकाश के दिन	सत्संग/प्रवचन/संगीत/कम्प्यूटर

1.11. साप्ताहिक अवकाश :

गुरुकुल में अध्ययनरत छात्रों का साप्ताहिक अवकाश रविवार की अपेक्षा भारतीय परम्परानुसार प्रत्येक पक्ष की **प्रतिपदा एवं अष्टमी** तिथि को (गुरुकुल की शासी–परिषद् द्वारा निर्धारित) होता है। साप्ताहिक अवकाश के दिन छात्र पुस्तकालय, क्रीडा एवं मनोरञ्जन आदि सुविधाओं का लाभ प्राप्त करते हैं।

1.12. छात्र–अभिभावक मिलन :

गुरुकुल की शासी–परिषद् के निर्देशानुसार अध्ययनरत छात्रों को अपने अभिभावकों से मिलने हेतु प्रत्येक माह की एक तिथि निर्धारित की जाती है। उसी दिन अभिभावक अपने बच्चों से कुछ देर के लिए मिलते हैं।

2. गुरुकुल शासी–परिषद् :

इस गुरुकुल को समुचित रूप से क्रियान्वित करने हेतु एक शासी परिषद् गठित है। जिसमें निम्नलिखित सदस्य हैं–

1) **श्री अशोक भान, (सेवानिवृत्त,भा०पु०सेवा)** : अध्यक्ष
   सम्मानित सदस्य, श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड
2) **मुख्य कार्यकारी अधिकारी,** : सदस्य
   श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड
3) **प्रो० युगलकिशोर मिश्र,** : सदस्य
   पूर्वकुलपति,जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर
4) **प्रो० विश्वमूर्ति शास्त्री,** : सदस्य
   पूर्वप्राचार्य, राष्ट्रिय सस्कृत संस्थान, रणवीर परिसर, जम्मू
   एवं निदेशक, श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल
5) **अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी,** : सदस्य
   श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड
6) **मुख्य लेखाधिकारी,** : सदस्य
   श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड
7) **प्रशासक,** : सदस्य
   श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल
8) **प्रधान पुजारी,** : सदस्य
   श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड

गुरुकुल शासी–परिषद् की अब तक **28** बैठकें हो चुकी हैं, जिसमें गुरुकुल को प्रगतिशील करने हेतु अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं।

(शासी परिषद् की बैठक का दृश्य)

3. प्रगति–विवरण (सत्र– 1 जुलाई 2019 से 30 जून 2020 तक)

3.1. वार्षिक क्रीडा एवं शैक्षणिक प्रतियोगिताएँ :

छात्रों के शारीरिक व मानसिक विकास हेतु गुरुकुल में अगस्त माह के द्वितीय–तृतीय सप्ताह में वार्षिक क्रीडाओं तथा शैक्षणिक प्रतियोगिताओंका आयोजन किया गया, जिसमें क्रीडा प्रतियोगिताओं के अन्तर्गत वॉलीबाल, बास्केटबाल, बैडमिन्टन, क्रिकेट, टेबल टेनिस, शतरंज, कैरम आदि एवं शैक्षणिक प्रतियोगिताओं के अन्तर्गत भाषण, वाद–विवाद, सुलेख, प्रश्नमंच, कण्ठपाठ आदि प्रतियोगिताओं में सभी छात्रों ने सोत्साह भाग लिया ।

3.2. वार्षिकोत्सव समारोह के मुख्य अतिथि का गुरुकुल भ्रमण :

दिनांक 29-08-2019 को श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल के अष्टम वार्षिकोत्सव समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. राजाराम शुक्ल, कुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी का गुरुकुल में आगमन हुआ तथा गुरुकुल के उपप्राचार्य डॉ देवेन्द्र रिजाल जी ने उन्हें गुरुकुल के दोनों प्रखण्डों का अवलोकन कराया। जिसके अन्तर्गत मुख्य अतिथि द्वारा छात्रों के अध्ययन–अध्यापन के विषय में जानकारी प्राप्त की गई। गुरुकुल की सभी गतिविधियों की जानकारी प्राप्त कर एवं समुचित निर्देश देकर मुख्य अतिथि महोदय द्वारा कटरा हेतु प्रस्थान किया गया।

3.3. वार्षिक–दिवस समारोह :

3.3.1. श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल का अष्टम वार्षिक दिवस समारोह **30 अगस्त 2019** को श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय, कटरा के मातृका सभागार में आयोजित किया गया। इस अवसर पर **सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी** के कुलपति **प्रो० राजाराम शुक्ल जी** मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

(दीप प्रज्वलित कर वार्षिकोत्सव का शुभारम्भ करते हुए मुख्य अतिथि तथा मञ्चासीन अतिथिगण)

3.3.2. इस समारोह में श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड के सम्मानित सदस्य व गुरुकुल के अध्यक्ष श्री अशोक भान (सेवानिवृत्त, भा०पु०सेवा), गुरुकुल–शासी परिषद् के सदस्य, स्थापन बोर्ड के अधिकारी तथा कर्मचारी, श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय के कुलपति तथा कर्मचारी, पुराना दरुड़ एवं कटडा क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, छात्र सहित गुरुकुल के सभी सदस्य तथा छात्रों के अभिभावकगण भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर छात्रों द्वारा वैदिक एवं पौराणिक मंगलाचरण, भजन संगीत एवं महाकवि भास विरचित 'मध्यमव्यायोग' नाटक के मंचन सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। तथा मुख्य अतिथि के द्वारा वार्षिक परीक्षाओं व वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया गया।

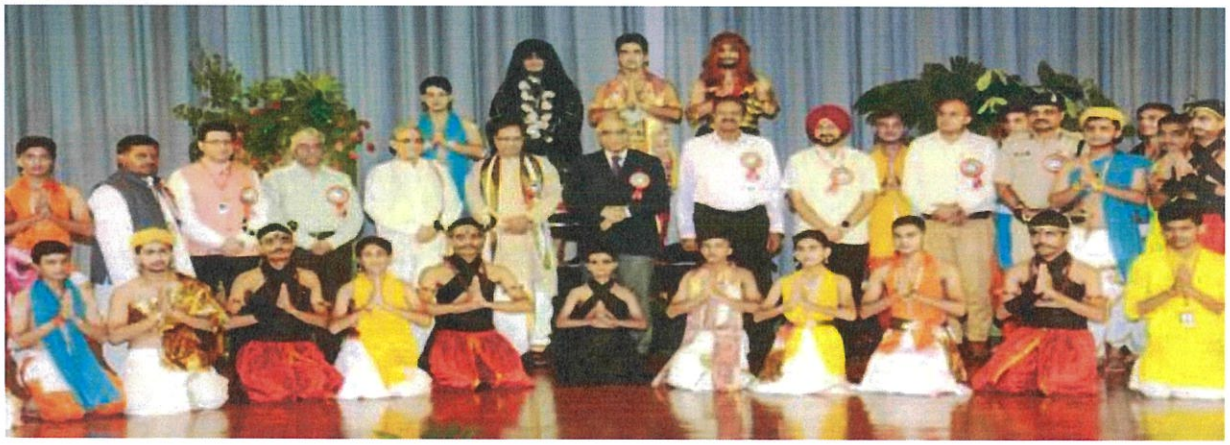

(वार्षिकोत्सव में संस्कृत नाट्यमंचन करते हुए छात्र)

3.3.3. गुरुकुल के वार्षिकोत्सव–2019 के उपलक्ष्य में मुख्यातिथि के रूप में समागत प्रो० राजाराम शुक्ल जी का उद्बोधन–सार

मुख्यातिथि महोदय ने वैष्णवी वन्दना के अनन्तर , गुरुकुलीय शिक्षा में अपने बच्चों को प्रवेशित कराने हेतु अभिभावकों को बधाई दी। तदुपरान्त आपने कहा कि गुरुकुल एकांगी शिक्षा नहीं सर्वांगीण शिक्षा का केन्द्र है, गुरुकुल के छात्र देश की मुख्य धारा में आएँ। हमारा स्वप्न है कि तिलक चन्दन लगाया हुआ धोती कुर्ता पहना हुआ गुरुकुल का कोई छात्र जिलाधीश के पद पर, किसी

मल्टीनेशनल कम्पनी के CEO के पद पर विराजित हो। हमें गुरुकुल को IIT IIM नहीं बनाना है अपितु हमें IIT IIM को गुरुकुल बनाना है, क्योंकि ज्ञान विज्ञान के साथ नैतिक शिक्षा भी आवश्यक है जो कि गुरुकुलों का प्रमुख ध्येय है । शिक्षा तब तक पूर्ण नहीं हो सकती जब तक की वह संस्कृति से जुड़ी न हो। यह देश की विडम्बना है कि शिक्षा मंत्रालय भिन्न है, और संस्कृति मंत्रालय भिन्न। सूचनात्मक शिक्षा या सूचनाएँ हमें दूरस्थ शिक्षा से भी मिल सकती है, किन्तु गुरुकुलों में छात्र, आचार्य के समीप में रहकर ज्ञान के साथ आचार्य के आचरण को भी आत्मसात करते हैं । आचार्य शिष्य को उपदेश देता है—

यान्यनवद्यानि कर्माणि तानि त्वयोपास्यानि, नो इतराणि । मेरे साथ रहो मेरे कर्मों को देखो और जो श्रेष्ठ गुण हों उन्हें आत्मसात कर लो, गुणों से भिन्न मेरे दुर्गुणों को ग्रहण मत करो । गुरुकुल शिक्षा प्रणाली में दो धाराएँ होनी चाहिए — एक विशुद्ध परम्परागत धारा और दूसरी आधुनिक विज्ञान—मिश्रित धारा ।

हमें परम्परागत शास्त्रों के संरक्षण का उपाय भी सोचना होगा ।

श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल के संचालन रूपी, श्राइन बोर्ड के इस चैलेन्जिंग प्रोजेक्ट की मैं भूरि भूरि प्रशंसा करता हूँ । मुझे गुरुकुल जाने का सुअवसर प्राप्त हुआ। मैंने कल्पना भी नहीं की थी कि जम्मू कश्मीर के इन विद्यार्थियों का संस्कृत उच्चारण इतना शुद्ध होगा । मैं गुरुकुल के छात्रों का शुद्ध उच्चारण, प्रस्तुतिकरण, कण्ठस्थीकरण, व्यवहारकुशलता, विनयशीलता देखकर गदगद हो गया । मैं अपने आप को सौभाग्यशाली मान रहा हूँ कि ऐसे उत्कृष्ट छात्रों वाले गुरुकुल की सम्बद्धता हमारे विश्वविद्यालय से है। हमारा विश्वविद्यालय इस गुरुकुल के उत्थान में थोड़ा सा भी सहयोगी हो सके तो मुझे अत्यन्त प्रसन्नता होगी। आप बिना किसी संकोच के मुझे सूचना देते रहें, निर्देश देते रहें, हम पूरा प्रयास करेंगे कि विश्वविद्यालय से सम्बद्ध किसी भी असुविधा का सामना इस गुरुकुल को न करना पड़े ।

पिछले १५ वर्षों की अपेक्षा अब परम्परागत शास्त्रों की स्थिति बेहतर हो रही है । लगता है अब शास्त्रों के अच्छे दिन आने वाले हैं । पूरा विश्व आज भारत के ज्ञान भण्डार की ओर देख रहा है। हमें केवल शास्त्रीयता एवं आधुनिक विज्ञान के बीच एक सेतु—निर्माण करना है, और इस ज्ञानपरम्परा को जन मानस तक पहुँचाना है **प्रज्वालितो ज्ञानमयः प्रदीपः** । यह परम्परा जितनी ज्यादा प्रवाहित होगी, उतनी ही सुगम और निर्मल होगी। । माता वैष्णो देवी का दर्शनलाभ तथा आप सभी का सान्निध्य प्राप्त हुआ, एतदर्थ मुझे बड़ी प्रसन्नता है । आप सब का आभार । नमस्कार ।

3.4. पुनश्चर्या पाठ्यक्रम :

जम्मू व कश्मीर राज्य के वैदिक कर्मकाण्ड कार्य में संलग्न पण्डितों हेतु ''स्वस्तिवाचन, देवीस्तुति, देवता नमस्कार मन्त्र, संकल्पविधि, कुशकण्डिका, ग्रहसाधनविधि, षोडशोपचार पूजनविधि, अग्निवास मुहूर्त्तज्ञान, छन्दोच्चारण एवं तिलकादि धारणविधि' आदि विषयों पर दिनांक **26 जुलाई 2019** से **31 जुलाई 2019** तक षड्दिवसीय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का आयोजन हुआ। पुनः दिनांक **21 दिसंबर 2019** से **26 दिसंबर 2019** तक ''वैदिक पूजन विधि, ज्योतिष का सामान्य ज्ञान एवं छन्द शास्त्र का ज्ञान आदि विषयों पर षड्दिवसीय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का आयोजन हुआ। उक्त पाठ्यक्रम में गुरुकुल के आचार्यों ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान किया ।

3.5. संस्कृत सप्ताह :

दिनाकं **31/07/2019** को श्री माता वैष्णों देवी गुरुकुल के सभागार में संस्कृत दिवस के उपलक्ष्य में विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन गुरुकुल के निदेशक राष्ट्रपति सम्मानित आचार्य डॉ विश्वमूर्ति शास्त्री जी की अध्यक्षता में हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने दीपप्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। तदनन्तर वैदिक व पौराणिक मंगलाचरण गुरुकुल के छात्रों ने किया। गुरुकुल प्राचार्य डॉ. धनञ्जय मिश्र द्वारा स्वागत भाषण किया गया। गुरुकुल के निदेशक डॉ. विश्वमूर्ति शास्त्री जी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में संस्कृत पठन पाठन पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की परिसमाप्ति के क्रम में गुरुकुल के उपप्राचार्य डॉ. देवेन्द्र रिजाल जी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

कार्यक्रम का सञ्चालन व्याकरण विभाग के आचार्य डॉ चिरञ्जीवी अधिकारी ने किया।

3.4.

3.6. सरस्वती परिषद् :

गुरुकुल के सम्माननीय निदेशक प्रो० विश्वमूर्ति शास्त्री जी के निर्देशानुसार छात्रों की प्रतिभा को प्रखर करने के उद्देश्य से दिनांक **8 नवंबर 2019** एवं **9 नवंबर 2019** को सरस्वती परिषद् का आयोजन किया गया। उक्त परिषद् में गुरुकुल के छात्रों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से प्रतिभा प्रदर्शन किया।

3.7. शारदीय चण्डीयज्ञ :

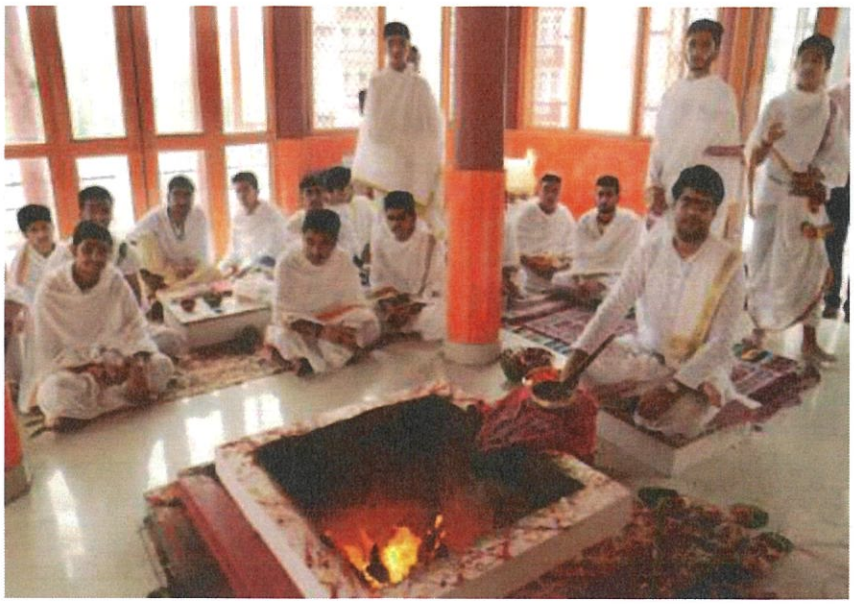

प्रति वर्षानुसार शारदीय नवरात्र के उपलक्ष्य में इस वर्ष भी दिनांक **29 सितंबर 2019** से **07 अक्टूबर 2019** तक गुरुकुल में अध्ययनरत छात्रों को प्रायोगिक प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से गुरुकुल प्रखण्ड— प्रथम एवं द्वितीय में चण्डीयज्ञ का आयोजन किया गया। जिसके अन्तर्गत अष्टमी एवं नवमी तिथि को सम्पूर्ण दुर्गा सप्तशती पाठ के द्वारा हवन एवं आवाहित देवताओं का पूजन, पूर्णाहुति तथा विसर्जन के उपरान्त प्रसाद

विरतण किया गया । इस कार्यक्रम के अन्तर्गत आचार्यो के निर्देशन में गुरुकुल के सभी छात्रों ने भाग लेकर यज्ञकर्म सम्पादन क्षमता को विकसित किया।

3.8. स्वच्छता अभियान के उपलक्ष्य में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन :

श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल, चरणपादुका में स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत कक्षा **06** एवं **07** के छात्रों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई । जिसमें उक्त कक्षा के सभी छात्रों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया । प्रतियोगिता में छात्रों ने विविध रंगों का उपयोग कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया ।

यह कार्यक्रम गुरुकुल के उपप्राचार्य डॉ. देवेन्द्र रिजाल जी के मार्गदर्शन एवं गुरुकुल की आंग्लअध्यापिका श्रीमती नेहा जम्वाल जी के संयोजन में संपन्न हुआ। निरीक्षक के रूप में उपस्थित श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड के अधिकारियों ने प्रतिभागी छात्रों का उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता समाप्ति के पश्चात् गुरुकुल के सभी छात्रों, अध्यापकों, अध्यापिकाओं एवं स्थापन बोर्ड के वन विभागीय सदस्यों ने एकसाथ मिलकर प्लास्टिक प्रयोग नहीं करने की शपथ ली। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय श्रेणी प्राप्त करने वाले छात्रों को दिनांक **02.10.2019** को स्थापन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सिमरनदीप सिंह जी के द्वारा पुरस्कृत किया गया ।

3.9. गुरुकुल के छात्रों की विशेषोपलब्धियॉ :

3.9.1. दिनांक **05 नवम्बर 2019** को सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी में आयोजित **37वें दीक्षान्त समारोह** के अन्तर्गत प्रथमा की वार्षिक परीक्षा–2019 में विश्वविद्यालय स्तर पर सर्वोच्च अंक एवं प्रथम स्थान प्राप्तकर्ता गुरुकुल के छात्र प्रांशु शर्मा को विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं उत्तरप्रदेश की महामहिम राज्यपाल श्रीमती आनन्दीबेन पटेल जी द्वारा प्रमाणपत्र सहित **वक्रतुण्ड–स्वर्णपदक** से विभूषित किया गया।

3.9.2. राज्यस्तरीय शास्त्रीय स्पर्धा

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित होने वाली अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा हेतु राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान रणवीर परिसर जम्मू में राज्यस्तरीय शास्त्रीय स्पर्धा आयोजित की गई। जिसमें गुरुकुल के २३ छात्रों ने भाग ग्रहण किया जिनमें से २१ छात्रों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रथम स्थान प्राप्त कर्ता छात्र :—

01) अंकित शर्मा (शास्त्री तृतीय) वेदान्त भाषण
02) राहुल शर्मा (शास्त्री तृतीय) धर्मशास्त्रीय भाषण
03) सौरभ शर्मा (शास्त्री तृतीय) साहित्य भाषण
04) रोहित शर्मा (शास्त्री तृतीय) वेदभाष्य भाषण
05) सञ्जीव कुमार (शास्त्री तृतीय) १.स्फूर्तिस्पर्धा २. समस्यापूर्ति
06) तनीष शर्मा (शास्त्री तृतीय) ज्योतिष भाषण
07) रामेश्वर शर्मा (शास्त्री तृतीय) मीमांसा भाषण
08) अमन सढोत्रा (शास्त्री तृतीय) न्याय भाषण
09) प्रिक्षित शर्मा (शास्त्री तृतीय) स्फूर्तिस्पर्धा
10) शुबम शर्मा (शास्त्री तृतीय) जैनबौद्धदर्शन भाषण
11) नीरज जम्वाल (शास्त्री द्वितीय) न्यायशलाका परीक्षा
12) सौरभ कुमार शर्मा (शास्त्री द्वितीय) व्याकरण शलाका परीक्षा
13) शुभम शर्मा (शास्त्री प्रथम) साहित्य शलाका परीक्षा
14) मितिश दूबे (शास्त्री प्रथम) शाबरभाष्य शलाका परीक्षा
15) नन्दलाल (शास्त्री प्रथम) अक्षरश्लोकी
16) रोहित शर्मा (शास्त्री द्वितीय) वेदान्त शलाका परीक्षा
17) अनीश शर्मा (उ.म. द्वितीय) अष्टाध्यायी कण्ठपाठ
18) विकास शर्मा (उ.म. द्वितीय) धातु कण्ठपाठ
19) गोतम शर्मा (उ.म. द्वितीय) काव्य कण्ठपाठ
20) उदित नारायण जस्याल (उ.म. द्वितीय) श्रीमद्भगवद्गीता कण्ठपाठ
21) शिवांगद शर्मा (उ.म. द्वितीय) अमर कोष

अन्य निम्नलिखित छात्रों ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया :—

01) अभिजीत (शास्त्री द्वितीय) पुराणेतिहास
02) रोहित कुमार (शास्त्री द्वितीय) ज्योतिष शलाका

उक्त प्रतियोगिता में जम्मू कश्मीर राज्य के संस्कृत विद्यालयों के छात्रों ने भाग लिया तथा निर्णायक के रुप में भारतवर्ष के प्रतिष्ठित विद्वान् उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने छात्रों को प्रमाणपत्र तथा सम्मान राशि से सम्मान किया। छात्रों के मार्गदर्शक के रुप में गुरुकुल के प्राचार्य डॉ धनञ्जय मिश्र एव आचार्य श्री सुशांत शर्मा उपस्थित रहे।

3.9.3. अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा :—

अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा के **काव्यकण्ठपाठ प्रतियोगिता** में उत्तरमध्यमा प्रथम वर्ष के मेधावी छात्र **गोतम शर्मा** ने **स्वर्णपदक, पुराणेतिहास शलाका** में शास्त्री द्वितीय वर्ष के छात्र **अंकित शर्मा** ने **कांस्यपदक, श्रीमद्भगवद्गीता कण्ठपाठ** में उत्तरमध्यमा प्रथम वर्ष के छात्र **उदित नारायण जस्याल ने विशिष्ट पुरस्कार, अमरकोष कण्ठपाठ** में उत्तरमध्यमा द्वितीय वर्ष के छात्र **शुभम शर्मा** ने **विशिष्ट पुरस्कार,** तथा **अष्टाध्यायी कण्ठपाठ** में उत्तरमध्यमा द्वितीय वर्ष के छात्र **शुभम शर्मा** ने प्रथमश्रेणी प्राप्त कर राष्ट्रीय स्तर पर गुरुकुल के गौरव को बढाया।

3.10. पुनश्चर्या पाठ्यक्रम :

श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड के संस्थागत पुजारियों हेतु **दिनांक 21/12/2019 से 26/12/2019** तक षड्दिवसीय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का आयोजन श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल में किया गया। उक्त पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में पुजारियों को निम्नलिखित विषयों का प्रशिक्षण दिया गया — 1) वैदिक पूजन विधि 02) ज्योतिष का सामान्य ज्ञान 03) छन्दःशास्त्र का ज्ञान। गुरुकुल के आचार्यों ने प्रशिक्षणार्थियों को विस्तृत रुप से उपर्युक्त विषयों का प्रशिक्षण दिया । उक्त पाठ्यक्रम में भवन, अर्द्धकुँवारी, भैरो—घाटी तथा महादेव मन्दिर रियासी से कुल 09 पुजारियों ने भाग लिया।

3.11. अर्द्धवार्षिकपरीक्षा :

गुरुकुल की प्रथमा प्रथमवर्ष (आठवीं) से शास्त्री तृतीय वर्ष पर्यन्त कक्षाओं में अध्ययनरत छात्रों की प्रगति—समीक्षा के उद्देश्य से अर्द्धवार्षिक परीक्षा— 2019 का आयोजन दिनांक 09 दिसम्बर 2019 से 21 दिसम्बर 2019 तक किया गया।

3.12. पुनश्चर्या पाठ्यक्रम :

श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड के संस्थागत पुजारियों हेतु षड्दिवसीय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का आजोयन दिनांक 18/02/2020 **से** 23/02/2020 तक किया गया।

उक्त पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में पुजारियों को स्वस्तिवाचन, देवीस्तुति, देवता नमस्कार मन्त्र, संकल्प विधि, कुशकण्डिका विधि, ग्रहसाधन विधि, षोडशोपचार पूजन विधि, अग्निवास विचार, भद्राविचार, रुद्रसूक्त, पुरुषसूक्त, छन्दोच्चारण, कालगणना, शिववास आदि विषयों पर गुरुकुल के आचार्यो ने प्रशिक्षणार्थियों को विस्तृत रुप से उपर्युक्त विषयों का प्रशिक्षण दिया । उक्त पाठ्यक्रम में भवन, अर्द्धकुँवारी, भैरो—घाटी तथा महादेव मन्दिर रियासी के पुजारियों ने भाग लिया।

3.13. नूतनछात्र प्रवेश प्रक्रिया :

सत्र 2020-2021 में प्रवेश के लिए **दिनांक 08 मार्च 2020** को लिखित परीक्षा आयोजित की गई । उक्त परीक्षा में 239 छात्र सम्मिलित हुए। लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर मेधासूची के अनुसार **दिनांक 12 मार्च 2019** को **मौखिक परीक्षा** में **50** छात्र सम्मिलित हुए। उक्त प्रवेश प्रक्रिया द्वारा **20 छात्रों** का चयन किया गया तथा **10 छात्रों** को प्रतीक्षासूची में रखा गया।

(लिखित एवं मौखिक परीक्षा में भाग लेते छात्र)

3.14. ऑनलाईन शिक्षण :

वैश्विक महामारी **Covid-19** के कारण, आवासीय रूप में रहने वाले गुरुकुल के समस्त छात्रों का अवकाश दिनांक 15-03-2020 से कर दिया गया । इस दौरान अध्ययन–अध्यापन निर्बाध रूप से चलता रहे, एतदर्थ दिनांक 16-04-2020 से आचार्यों/अध्यापकों/अध्यापिकाओं ने **WhatsApp, GoogleMeet, Google Classroom** के द्वारा प्राविधिक साधनों का प्रयोग करते हुए प्रथमा प्रथम वर्ष (छठवीं) से शास्त्री तृतीय वर्ष तक की कक्षाओं का अध्यापन कराया जा रहा है । इसी क्रम में छात्रों की प्रायोगिक दक्षता को बढाने हेतु ऑनलाईन प्रायोगिक कक्षाओं का भी आयोजन किया जा रहा है ।

3.15.भारत भ्रमण :

गुरुकुल में अध्ययनरत स्नातक छात्रों के लिए **गुरुकुल शासी–परिषद्** द्वारा अनुमत 'भारत भ्रमण यात्रा' करवाई गई। शास्त्री द्वितीय व तृतीय वर्ष के कुल 17 छात्रों को दक्षिण भारत के प्रसिद्ध स्थलों से अवगत कराने हेतु दिनांक 23 दिसम्बर 2019 से 3 जनवरी 2020 तक गुरुकुल के आचार्य श्री अरुण शर्मा जी के नेतृत्व में रामेश्वरम्, मदुरै, कोवलम समुद्रतट, पद्मनाभ मन्दिर, कन्याकुमारी, तिरुचिरापल्ली, तिरुपति एंव मल्लिकार्जुन मन्दिर स्थलों का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया।

4. मुख्य कार्यकारी अधिकारी जी का आगमन :

श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी **श्री रमेश कुमार जी, (आई०ए०एस०)** का गुरुकुल में प्रथम आधिकारिक आगमन दिनांक 20-12-2019 को हुआ। मुख्य कार्यकारी अधिकारी जी का स्वागत गुरुकुल के प्राचार्य, उपप्राचार्य, समस्त आचार्य तथा समस्त छात्रों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारपूर्वक किया गया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी महोदय ने गुरुकुल परिसर का निरीक्षण किया तथा सामूहिक रुप से गुरुकुलीय समस्त सदस्यों तथा छात्रों को सम्बोधित करते हुए गुरुकुल के उत्कर्ष की कामना की।

5. विशिष्ट अतिथियों का आगमन :

गुरुकुल स्थापना स अब तक अनेक विशिष्ट विद्वानों तथा अतिथियों का समय–समय पर आगमन होता रहा है तथा इस 2019-2020 सत्र में गुरुकुल शासी परिषद् के माननीय सदस्य एवं

श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड के पदाधिकारी गणों के अतिरिक्त समागत निम्नलिखित विशिष्टजन उल्लेखनीय हैं—

1) पद्मश्री प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा, कुलपति, श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय, कटड़ा ।
2) प्रो. राजाराम शुक्ल, कुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।
3) डॉ० श्रेयांश द्विवेदी, कुलपति, महर्षि वाल्मीकि संस्कृत विश्वविद्यालय, कैथल, हरियाणा ।
4) श्री शिवकुमार शर्मा, माननीय सदस्य, श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड, कटड़ा ।
5) प्रो० युगल किशोर मिश्र, पूर्वकुलपति, ज०रा०राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर।
6) प्रो० विश्वमूर्त्ति शास्त्री, पूर्व प्राचार्य, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, रणवीर परिसर, जम्मू ।
7) प्रो. हरेराम त्रिपाठी, आचार्य एवं अध्यक्ष दर्शन विभाग, श्री ला.ब.शा.रा.सं.वि.वि., नई दिल्ली।
8) प्रो० मनोज कुमार मिश्र, वेदविभागाध्यक्ष, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,रणवीर परिसर, जम्मू।
9) डॉ० एस० एस० बलोरिया, पूर्व अध्यक्ष, श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल, कटरा।
10) डॉ शिव शंकर मिश्र, उपाचार्य, श्री ला.ब.शा.रा.सं.विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।

6. वार्षिक परीक्षाफल—विवरण :

- **सत्र 2019–2020 का वार्षिक–परीक्षाफल निम्नवत् रहा–**

क्रम	कक्षा	छात्रसंख्या	प्रथम श्रेणी	द्वितीय श्रेणी	तृतीय श्रेणी	अनुत्तीर्ण	उत्तीर्णता प्रतिशत
1.	प्रथमा प्रथम वर्ष (समकक्ष छठवीं)	20	16	04	00	00	100%
2.	प्रथमा द्वितीय वर्ष (समकक्ष सातवीं)	20	15	04	01	00	100%
3.	प्रथमा तृतीय वर्ष (समकक्ष आठवीं)	19	-	-	-	-	Promoted
4.	पूर्वमध्यमा प्रथम वर्ष (समकक्ष नवमी)	24	-	-	-	-	Promoted
5.	पूर्वमध्यमा द्वितीय वर्ष (समकक्ष दशमी)	26	26	00	00	00	100%
6.	उत्तरमध्यमा प्रथम वर्ष (समकक्ष ग्यारहवीं)	15	-	-	-	-	Promoted
7.	उत्तरमध्यमा द्वितीय वर्ष (समकक्ष बारहवीं)	25	25	00	00	00	100%
8.	शास्त्री प्रथम वर्ष (समकक्ष बी.ए. प्रथम)	12	-	-	-	-	Promoted
9.	शास्त्री द्वितीय वर्ष (समकक्ष बी.ए. द्वितीय)	08	08	00	00	00	100%
10.	शास्त्री तृतीय वर्ष (समकक्ष बी.ए. तृतीय)	10	10	00	00	00	100%

7. भविष्य की भावी योजना

श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल, अपने स्थापना वर्ष से अद्यावधि निरन्तर नूतन उपलब्धियाँ प्राप्त कर रहा है। भविष्य में भी इस गुरुकुल को विश्वपटल पर स्थापित करने के लिए अनेक प्रकल्पों का सृजन किया गया है —

- **ज्योतिष विषयक खगोलीय ज्ञान हेतु वेधशाला का निर्माण करना।**
- **अखिल भारतीय स्पर्धाओं में अधिक से अधिक छात्रों की सहभागिता सुनिश्चित करना।**
- **गुरुकुल के प्रत्येक छात्र को संस्कृत एवं अंग्रेजी सम्भाषण में दक्ष बनाना।**
- **गुरुकुल के प्रत्येक छात्र को वेद, ज्योतिष, वास्तुशास्त्र एवं कर्मकाण्ड के प्रयोग में दक्ष करना।**
- **गुरुकुल के शास्त्री स्तरीय छात्रों को संस्कृत शिक्षण/अध्यापन में निपुण बनाना।**
- **गुरुकुल के शास्त्री स्तरीय छात्रों के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवा, राज्य प्रशासनिक सेवा,**

यू.जी.सी. नेट/जे.आर.एफ., बी.एड्. प्रवेश परीक्षा आदि हेतु व्यावसायिक परीक्षाओं हेतु प्रशिक्षित करना।

- गुरुकुल में ऑनलाईन शिक्षण पध्दति को प्रोन्नत करने हेतु नवप्रयोगों एवं नवयोजनाओं को क्रियान्वित करना।

विद्या ददाति विनयं विनयाद्याति पात्रताम्।
पात्रत्वाद्धनमाप्नोति धनाद्धर्मं ततः सुखम्।।

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःखभाग्भवेत्।।

।। ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः।।

।। जय माता दी।।

श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल
चरणपादुका, कटड़ा(जम्मू व कश्मीर)
अवकाश–सूची–2020–21

अप्रैल–2020

सो	मं	बु	गु	शु	श	र
		अ	2	3	4	5
6	7	प्र	9	10	11	12
13	14	अ	16	17	18	19
20	21	22	23	प्र	25	26
अ	28	29	30			

मई–2020

सो	मं	बु	गु	शु	श	र
				अ	2	3
4	5	6	7	प्र	9	10
11	12	13	14	अ	16	17
18	19	20	21	22	प्र	24
25	26	27	28	29	अ	31

जून–2020

सो	मं	बु	गु	शु	श	र
1	2	3	4	5	प्र	7
8	9	10	11	12	अ	14
15	16	17	18	19	20	21
प्र	23	24	25	26	27	अ
29	30					

जुलाई–2020

सो	मं	बु	गु	शु	श	र
		1	2	3	4	5
प्र	7	8	9	10	11	12
अ	14	15	16	17	18	19
20	प्र	22	23	24	25	26
अ	28	29	30	31		

अगस्त–2020

सो	मं	बु	गु	शु	श	र
31					1	2
3	प्र	5	6	7	8	9
10	11	अ	13	14	15	16
17	18	प्र	20	21	22	23
24	25	अ	27	28	29	30

सितम्बर–2020

सो	मं	बु	गु	शु	श	र
	1	2	प्र	4	5	6
7	8	9	अ	11	12	13
14	15	16	17	प्र	19	20
21	22	23	अ	25	26	27
28	29	30				

अक्तूबर–2020

सो	मं	बु	गु	शु	श	र
			1	प्र	3	4
5	6	7	8	9	अ	11
12	13	14	15	16	प्र	18
19	20	21	22	23	अ	25
26	27	28	29	30	31	

नवम्बर–2020

सो	मं	बु	गु	शु	श	र
30						प्र
2	3	4	5	6	7	अ
9	10	11	12	13	14	15
प्र	17	18	19	20	21	अ
23	24	25	26	27	28	29

दिसम्बर–2020

सो	मं	बु	गु	शु	श	र
	प्र	2	3	4	5	6
7	अ	9	10	11	12	13
14	प्र	16	17	18	19	20
21	अ	23	24	25	26	27
28	29	30	प्र			

जनवरी–2021

सो	मं	बु	गु	शु	श	र
				1	2	3
4	5	अ	7	8	9	10
11	12	13	प्र	15	16	17
18	19	20	अ	22	23	24
25	26	27	28	प्र	30	31

फरवरी–2021

सो	मं	बु	गु	शु	श	र
1	2	3	4	अ	6	7
8	9	10	11	प्र	13	14
15	16	17	18	19	अ	21
22	23	24	25	26	27	प्र

मार्च–2021

सो	मं	बु	गु	शु	श	र
1	2	3	4	5	अ	7
8	9	10	11	12	13	प्र
15	16	17	18	19	20	21
अ	23	24	25	26	27	28
प्र	30	31				

अन्य अवकाश :

1	रामनवमी : 2 अप्रैल 2020 गुरुवार	7	दीपावली : 12.11.20 से 19.11.20 तक (08 दिन)
2	ग्रीष्मावकाश : 31.05.20 से 06.07.20 तक (37 दिन)	8	शीतावकाश : 01.01.21 से 15.01.21 तक (15 दिन)
3	रक्षाबन्धन : 03 अगस्त 2020 सोमवार	9	गणतन्त्र दिवस : 26 जनवरी 2021 मंगलवार
4	स्वतन्त्रता दिवस : 15 अगस्त 2020 शनिवार	10	वसन्त पंचमी : 16 फरवरी 2021 मंगलवार
5	महानवमी : 25 अक्तूबर 2020 रविवार	11	महाशिवरात्रि : 11 मार्च 2021 गुरुवार
6	विजयादशमी : 25 अक्तूबर 2020 रविवार	12	होली : 28 मार्च 2021 रविवार :

प्राचार्य
गुरुकुल